संपादक के नोट

मैं अपने सभी पाठकों को बधाई और प्यारे लोगों को बहुत, बहुत सौभाग्यशाली और क्रिसमस की शुभ का मना देती हूँ।इस वर्ष का यही समय है कि हम सभी तत्पर रहते हैं की इस दुनिया में हमारे प्रभु यीशु के जन्म का जश्न मनाय। २५दिसंबर को हजारों साल के लिए दुनिया यीशुमसीह के जन्म का उत्सव मनाती है।कईक्रिस्ती खाने और पीने से इस दिन को मनाते हैं।बहुत से लोग देनदार हो जाते हैं , कई दुर्घटना घटित होती है और कई लोग इस दिन दुर्घटनाओं के कारणमरजातेहैं।पवित्र शास्त्र इसके बारे में हमें चेतावनी देता है रोमियो 14 : 17 ''क्योंकि परमेश्वर का राज्य खाना पीना नहींय परन्तु धर्म और मिलाप और वह आनन्द है।''मसीह का जन्म वास्तव में, सचमुच सत्य है। जो लोग ४००० वर्षों के लिए मसीहा की उम्मीदमेंथे, सही साबित कर दिया जब वह इस दुनिया में मांसमें आए थे।इसलिए आनन्दित और जश्न मनाए कि मसीहा मेरे लिए आया था।बहुत पहले मसीह के जन्म के बारे में भविष्य वाणी की थी उनके गुणों के बारे में और कैसे वह हमारे लिए एक वरदान हो सकता है, कई नाम दिए गए थे, उनके नाम यशायाह 9 : 6 ''क्योंकि हमारे लिए? एक बालक उत्पन्न हुआ, हमें एक पुत्र दियागया है, और प्रभुता उसके कांधे पर होगी, और उसका नाम अद्‌भुत, युक्ति करने वाला, पराक्रमी परमेश्वर, अनन्तका लका पिता, और शान्तिका राजकुमार रखा जाएगा।''सभी वादों के अलावा जो बाइबिल में दिए गए है , वह मसीहा है, वह मसीह है, वह इम्मानुअल है, लेकिन हम सभी के लिए सब से अच्छावादा है।''मैं आप के साथ रहूँगा, मैं तुम्हें न छोडूंगा न त्यागूंगा। मैं हमेशा तुम्हारे साथ हूँ, उम्र के अंततक ''परमेश्वरइब्राहीम के साथ था और स्वर्ग में सितारों के रूप्में उसके वंश को बढ़ाया।उत्पत्ति 22 : 16–18 ''यहोवा की यह वाणी है, किमैं अपनी ही यह शपथ खाता हूं, कितूने जो यह कामकिया है कि अपनेपुत्र, वरनअपने एकलौतेपुत्र कोभी, नहीं रख छोड़ा, इस कारण मैं निश्चय तुझे आशी षदूंगा; और निश्चय तेरे वंश को आकाश के तारागण, और समुद्र के तीर की बालू के किनकों के समान अनगि नित करूंगा, और तेरा वंश अपने शत्रुओं के नगरों का अधिकारी

होगा, और पृथ्वी की सारी जातियां अपने को तेरे वंश के कारण धन्य मानेंगीः क्योंकि तू ने मेरी बातमानी है।''प्रभु इस्साक के साथ थाजब वह बीजबो रहा था और प्रभु ने उसे एक सौ प्रतिशतफसल दिया।उत्पत्ति 26 : 12 ''फिर इसहाक ने उस देश में जोताबोया, और उसी वर्ष में सौगुणा फलपायाः और यहोवा ने उसको आशीष दी।'' परमेश्वर याकूब के साथ था और उसे वापस देश में लानेका वादाभी किया।उत्पत्ति 28 : 15 ''और सुन, मैंतेरे संग रहूंगा, और जहां कहीं तूजाए वहांतेरी रक्षा करूंगा, औरतुझे इस देश में लौटाले आऊंगा; मैं अपने कहे हुए को जबतक पूरा न करलूं तब तक तुझ को न छोडूंगा।'' यूसुफनेअपने युवाउम्र में बहुतकुछसहाहै, लेकिन प्रभु उसके साथ था और उसे उठाता रहा और महिमा में महिमा बढ़ाता रहा। यहोवा दाऊद के साथ था, दाऊद कहते हैं, ''मैंने प्रभु को हमेशा मेरे सामने स्थापना की है, क्योंकि वह मेरे दाहिने ओर में है। मैं कभी नहीं हिलाया जाऊंगा। हालांकि मैं मौत के साये की घाटी के माध्यम से चलू, मैं शत्रु से नहीं डरूँगा क्योंकि तुम मेरे साथ हो। आपकी छड़ी और लाठी, वे मुझे आराम देते है। ''प्रभु अय्यूब के साथ था, तो वह उससे पहले से भी ज्यादा दुगना आशिष दिया।अय्यूब 42 : 10 ''जब अय्यूब ने अपने मित्रों के लिये प्रार्थना की, तब यहोवा ने उसका सारा दुःख दूर किया, और जितना अय्यूब का पहिले था, उसका दुगना यहोवा ने उसे दे दिया।''इम्मानुअल की उपस्थिति न केवल क्रिसमस के दौरान आप के साथहोलेकिनहरतरहसेआनेवालावर्षआप सभी को संभाले रखे। जब आप पानी के माध्यम से गुजरे, वह आप के साथ हो जाएगा, और आप नदियों के माध्यम सेपारहोवेआप पे अतिप्रवाह नहीं करेगा।जब आप आग के माध्यम से चलेंगे तो जलेंगे नहीं, और न ही लौ आप को जलाकर राख कर पाएगी। पहाड़ हट जाएंगे और पर्वत हिल जाएगी, लेकिन उसकी दया आप से विदा नहीं होगी, न ही शांति के इस वाचा को हटाया जाएगा।डरो नहीं वह तुम्हारे साथ है, निराश न हो क्योंकि वह तुम्हारा परमेश्वर है, वह तुम्हे शक्ति देगा, हाँ, वह आपकी मदद करेगा, वह आपका समर्थन करेगा उनके धर्म के दाहिने हाथ के साथ बनाए रखेगा।

तो जो लोग अपने देवता के रूप में इम्मानुएल को रखा है वह धन्य लोग हैं , भजन संहिता 144 : 15 ''तो इस दशा में जो राज्य हो वह क्या ही धन्य होगा! जिस राज्य का परमेश्वर यहोवा है, वह क्या ही धन्य है!''तोआपकेसभीदुःख, खुशीमेंबदल जाएंगे। इसलिए हमेशा प्रभु में आनन्दित रहो , प्रभु में आनन्दित रहो।फिलिप्पियों 4 : 4 ''प्रभु में सदा आनन्दित रहो; मैं फिर कहता हूं, आनन्दित रहो।''प्रभु का आनंद है मेरी ताकत।नहेमायाह 8 : 10 ''फिर उसने उन से कहा, कि जा कर चिकना चिकना भोजन करो और मीठा मीठा रस पियो, और जिनके लिये कुछ तैयार नहीं हुआ उनके पास बैना भेजो; क्योंकि आज का दिन हमारे प्रभु के लिये पवित्र है; और उदास मत रहो, क्योंकि यहोवा का आनन्द तुम्हारा दृढ़ गढ़ है।''यहां तक कि अगर आप के खिलाफ लोग युद्ध करे, फिर भी इम्मानुअल आप के साथ है, शत्रु से न डरो। यिर्मयाह 15 : 20 ''और मैं तुझ को उन लोगों के साम्हने पीतल की दृढ़ शहरपनाह बनाऊंगा; वे तुझ से लड़ेंगे, परन्तु तुझ पर प्रबल न होंगे, क्योंकि मैं तुझे बचाने और तेरा उद्धार करने के लिये तेरे साथ हूँ, यहोवा की यह वाणी है। मैं तुझे दुष्ट लोगों के हाथ से बचाऊंगा।'' वह आप से दूर नहीं है, वह तुम्हारे भीतर है। वह निश्चित रूप से आप को जीत पर जीत देगा। क्रिसमस का वास्तविक अर्थ है, इम्मानुअल को जानना, उसे प्राप्त करना और उस में जश्न मानते रहना।आप सभी को क्रिसमस की शुभकामना और एक धन्य नया साल।

प्रभु आपको आशीर्वाद दे जब तक हम नए साल में फिर से मिले।

पास्टर सरोजा म.

यीशु अल्फा और ओमेगा है।

प्रकाशितवाक्य 1 : 8 ''प्रभु परमेश्वर वह जो है, और जो था, और जो आने वाला है। जो सर्वशक्तिमान है, यह कहता है, कि मैं ही अल्फा और ओमेगा हूं।''हमारा प्यारा परमेश्वर हमाराअल्फा और ओमेगा है। हमारे जीवन में, वह आदि और अंत है, जो कुछ भी बीच में हमें प्राप्त होता है , जो कुछ भी हम जीवन में लाभ पाते है, यह सिर्फ प्रभु ही है जो महत्वपूर्ण है। वह न केवल आदि और अंत है, लेकिन वह जीवित सत्य है।वह सदा हमारे साथ है। वह हमारे सप्ताह दिन, महीने और साल को पूरा करता है, तो हमारे जीवन में हमारे प्रभु ही अल्फा और ओमेगा है। चलो देखते हैं कि किस तरह दाऊद ने निरंतर धन्यवाद दिया और प्रभु की प्रशंसा की है, हम पढ़ते है भजन संहिता 108 : 1–2 ''हे परमेश्वर, मेरा हृदय स्थिरहै; मैं गाऊंगा, मैं अपनी आत्मा से भी भजन गाऊंगा। हे सारंगी और वीणा जागो! मैं आप पौ फटते जाग उठूंगा!'' लापरवाही से परमेश्वर की स्तुति करना और सच्ची आत्मा से उसकी प्रशंसा करना यह दो अलग बातें हैं। जब हम परमेश्वर की स्तुति पूरे मन और सच्ची आत्मा में करते हैं तो हम इस दुनिया के दर्द और दुखों को भूल जाते हैं, हम कल के बारे में नहीं सोचते। हम उसकी प्रशंसा ऐसे करते है जैसे की 'आज का दिन ही है जो आराधना करने के लिए और परमेश्वर की स्तुति करने के लिए हमें दिया गया है'। दाऊद ने भी इसी तरह प्रभु की आराधना और स्तुति की, जैसे वह अल्फा और ओमेगा है। उसने विचार किया की वह ही परमेश्वर है जो उसके बारे में कल और आज ख्याल रखता है और हमेशा के लिए उसका देखभाल करेगा।हम पवित्र शास्त्र में देखते हैं लूका 10 : 30–35 ''यीशु ने उत्तर दिया, कि एक मनुष्य यरूशलेम नगर से यरीहो को जा रहा था, कि मार्ग में डाकुओं ने घेरकर उसके कपड़े उतार लिए, और मार पीट कर उसे अधमूआ छोड़कर चले गए। और ऐसा हुआ, कि उसी मार्ग से एक याजक जा रहा था, परन्तु उसे देख के कतरा कर चला गया। इसी रीति से एक लेवी उस जगह पर आया, वह भी उसे देख के कतरा कर चला गया। परन्तु एक सामरी यात्री वहां आ निकला, और उसे देखकर तरस खाया। और उसके पास आकर और उसके घावों पर तेल और दाखरस डालकर पट्टियां बान्धी, और अपनी सवारी पर चढ़ाकर सराय में ले गया, और उस की सेवा टहल की। दूसरे दिन उस ने दो दिनार निकालकर सराय के मालिक को दिए, और कहा; इस की सेवा टहल करना, और जो कुछ तेरा और लगेगा, वह मैं लौटने पर तुझे भर दूंगा।'' यहाँ इस पाठ्य में हमने अपने परमेश्वर का प्रेम जो अल्फा और ओमेगा है देखते हैं। पहले हम एक मनुष्य को देखते हैं जो यरूशलेम से यरीहो को जाता है, दूसरा हम देखते है कि उसपर चोरों द्वारा हमला होता है, फिर, हम देखते हैं

कि याजक और लेवी उस मार्ग से गुजरते है। लेकिन लहू बहते हुए मनुष्य को नजरअंदाज करते है। बाद में हम देखते हैं की एक निश्चित सामरी, जो हमारे प्रभु यीशु मसीह है, जो उस मनुष्य पर दया करता है और उसे बचाता है।वह उसे उठाता है, उसके घावों को साफ करता है और उसे एक सराय में ले जाता है और उसे वहाँ छोड़ देता है। सामरी, सराय के चलानेवाले से कहता है इस मनुष्य का ख्याल रखना और उसे सब पैसा वह दे देता है और उसे भरोसा दिलाता हैं कि वह लौट कर इस मनुष्य के स्वस्त पर खर्च किए हुए पैसों का भुगतान करेगा। हमारे प्रभु हम से बहुत ज्यादा प्रेम करते है, उसने पापियों से प्रेम किया है और अच्छे लोगों पर भी कृपा और दया किया है।इस प्रकार, हम पूरे दिल से कह सकते हैं कि हमारे प्रभु अल्फा और ओमेगा है। उनका प्यार अपरिवर्तनीय है, यह महत्वपूर्ण है की हमें उसके प्रेम में जुड़े रहना चाहिए। इससे पहले कि हम उसे प्यार करते, उसने हमें प्यार किया है। वह निश्चित रूप से वापस आएगा, वह सिर्फ सराय के रखवाले से यह नहीं कहता लेकिन उन्होंने कहा कि ''मैं लौटूंगा और सभी ऋण चुका दूंगा''। उन्होंने यह भी कहा, ''उसका ख्याल रखना और उसकी देखभाल करना ''। हम पढ़ते हैं यशायाह 40 : 1 ''तुम्हारा परमेश्वर यह कहता है, मेरी प्रजा को शान्ति दो, शान्ति!''प्रभु कहते हैं, ''मेरे लोगों को सांत्वना दो, उनके घावों को चंगा करों'' जब वह मनुष्यनेयरूशलेम को छोड़ दिया और यरीको के लिए गया, चोरों ने उसका सब कुछ छीन लिया और उसे बुरी तरह से घायल किया और उसे अधमरा छोड़ दिया। तो हमारे प्रभु का कहना है कि आज ''घावों को चंगा करो और मेरे लोगों को सांत्वना दो, मैं एक बार फिर से वापस आऊंगा''। हाँ, शत्रु हमें अलग अलग तरीकों से घायल कर सकता है, हमारे जीवन में दुख और दर्द ला सकता है।लेकिन हमारे प्रभु घायलों को चंगा करने के लिए आए हैं, हमारे घावों पर बाम और उसे चंगा करने के लिए आ गया है। हम शत्रु के द्वारा घायल हुए है, हम दर्द और दुख में हैं। हमारे जीवन में आज बाम क्या है ,यह 'वचन' है, वचन हमें मजबूत करता है, हमें सांत्वना देता है, हमारे जीवन में सच्चाई लाता है। इस प्रकार प्रभु सराय के रखवाले से कहता हैं, जो शत्रु के द्वारा घायल हो गए हैं, ''घायलों को सांत्वना दो, जब तक मैं वापस आऊं उनका ख्याल रखना। मैं वापसी में इनाम भी लेता आऊंगा''।हम इस दुनिया में देखते हैं, लोगों को उन्हें दिया गया प्यार याद नहीं रहता है, वह सहारा जो प्राप्त हुआ है वे भूल जाते हैं और शांति जो उनको मिला है, उन्होंने त्याग दिया है। लेकिन हमारे प्रभु कभी नहीं भूलते।भजन संहिता 147 : 3 ''वह खेदित मन वालों को चंगा करता है, और उनके शोक पर मरहम– पट्टी बान्धता है।''हमारे प्रभु टूटे हुए हृदय को चंगा करता है और उनके घाव को भर देता है। यह दुनिया लड़ेगी और हमें घाव देगी और हमें गिरा देगी। लेकिन प्रभु आश्वासन देता है किजो शत्रु द्वारा घायल हुए है, उन्हें वह बाम लगाएगा और चंगा करेगा। नबी यिर्मयाह कहता है यिर्मयाह 30 : 7 ''हाय, हाय, वह दिन क्या ही भारी होगा! उसके समान और कोई दिन नहीं वह याकूब के संकट का समय होगा, परन्तु वह उस से भी छुड़ाया जाएगा।''कितना ही मुसीबत का समय शत्रु हम पर लाए, हमारे परमेश्वर इन सब चीजों से हमें बचा लेगा। जैसे की वह मनुष्य जो पीटा गया था और सड़क की ओर आधा मृत फेंक दिया गया था, वहाँ कोई नहीं था जो उसके लिए परवाह करता, जब तक की अच्छा सामरी 'यीशु मसीह' वहां से गुजरा और उसकी देखभाल की और उसे सराय के रखवाले को सौंप दिया जब तक वह वापस आता।प्रभु अंत समय के बारे में कहते हैं, वही दर्द और दुख हम पर गिरेगा, हम अंत समय की जोखिम की कल्पना भी नहीं कर सकते हैं, लेकिन हमारे प्रभु हैं, जो हमारे लिए क्रूस पर अपने जीवन का बलिदान दिया है, वह निश्चित रूप से हमें एक बार फिर से उद्धार देगा। इस प्रकार, कल्पना करें हमें और कितना प्रभु की प्रशंसा और महिमा करने की जरूरत है। अब यह है कि हमें वचन को हमारे भीतर संग्रह करना चाहिए, एक समय आएगा जब कोई वचन हमारे लिए उपलब्ध नहीं होगा।जिस तरह घायल मनुष्य का लहू बह रहा था, मदद के लिए चिल्ला रहा था और दर्द में रो रहा था। लेकिन हमारे प्रभु परमेश्वर ने उसके बचाव के लिए आए थे और उसकी जान बचाई।

निश्चित रूप से, अंत समय बहुत ही बदतर होनेवाला हैं, हम दुख और अंत समय के दर्द की कल्पना भी नहीं कर सकते हैं, हमें वहाँ सांत्वना करने के लिए कोई नहीं होगा। लेकिन हमारे प्रभु हमारा देखभाल करने के लिए वापस आएगा।जैसा कि नबी यिर्मयाह ने कहा, ''वह दिन इतना विशाल होगा कि उसके तुल्य कोई दूसरा नहीं है, बड़ी मुसीबत हम पर गिरेगी, लेकिन हमारे प्रभु हमें बचा लेगा''। हमारे प्रभु यीशु मसीह अपने लोगों, उनके कष्टों, दर्द और दुख को जानता है। वह एक है जो हमें एक बार फिर बचाता है। इस प्रकार, पिता परमेश्वर ने अपने पुत्र यीशु मसीह को अभिषेक किया और उसे इस दुनिया में हमारे लिए भेज दिया।यीशु मसीह कलवारी के क्रूस पर बुराई की योजना को हराया है और आज हम अनाथनहीं है, लेकिन हमारे साथ हमारे प्रभु है, वह हमारे बीच में है, वह हमारे दर्द और दुख को जानता है, वह अकेला अंत समय में हमारा बचाव करेगा। उदाहरण के लिए, हम जानते हैं कि 'ए–जेड' नाम की दुकानों को देखते हैं , और हम उम्मीद करते हैं कि जब हम दुकान में प्रवेश करें तो, हमें इस तरह की दुकानों में सब कुछ मिल जाएगा।लेकिन जब हम अंदर जाते है और कुछ पूछते है तो, दुकानदार उपलब्ध नहीं है ऐसा कहता हैं। इसलिए नाम 'ए–जेड' उचित नहीं है। इसी तरह, जब हम कहते हैं कि हम, विश्वासी हैं जब हमारे प्रभु हम से भेंट करने के लिए आते है तो वह उम्मीद करते है कि उनके बच्चों में सभी गुण है कि वह हम में खोज रहे है, यह शर्मनाक होगा अगर वही हमारे भीतर गायब है। हम में सभी गुण होने चाहिए जो कि प्रभु अपने भीतर तलाश कर रहे है।इस के लिए, हमें दुनिया और लोगों को खोना होगा जो हमारे आसपास है, कोई समस्या नहीं है, लेकिन याद रखे हम हमारे भीतर प्रभु के गुणों के साथ भरपूर होना चाहिए। प्रभु ने इस दुनिया को बनाया है और सभी लोगों को जो इसके भीतर है। इस प्रकार, उनका प्यार हमारे जीवन में सबसे महत्वपूर्ण है, जब हमारे भीतर उनका प्यार है, तो हम दुनिया को जीत सकते हैं। हम में से कई लोगों का कहना है, हम विश्वासी हैं, हम प्रभु से डरते है, हम 'ए–जेड' हैं।लेकिन, जब प्रभु परमेश्वर हम से भेट करते है और हम में गुणों को लापता पाते है तो, उनको बहुत चोट पहुचती है और निराश हो जाते है। प्रभु ने हमें उनकी स्वयं की छवि में बनाया है, इसका मतलब क्या है? हम इस दुनिया के लोगों से अलग हैं, एक व्यक्ति जो की राज्य अमेरिका से है वह एक भारतीय या एक रूसी से अलग है, हम में से कुछ गोरे है और कुछ काले हैं। तो प्रभु की स्वयं छवि का मतलब है, वह हमें उनकी महिमा और उसकी छाया में बनाया है। हालांकि प्रभु हमसे बहुत दूर है, लेकिन वह हमें उसकी छाया में बनाया है।हमारे शक्तिशाली प्रभु, हमारे कारण नीचे आए है क्योंकि हमारा शरीर उनका मंदिर है और हम अपने जीवन में शत्रु से धोखा नहीं खाना चाहिए। तुम और मैं रास्ते में चोरों के द्वारा पकडे नहीं जाना चाहिए, और हम घायल नहीं होना चाहिए और लहुलोहान छोड़कर और वस्त्रहीन करके मार्ग के किनारे नहीं छोड़ देना चाहिए। हमारे प्रभु ने हमें बहुत प्यार किया है, तो वह स्वर्ग को छोड़कर इस दुनिया में एक सुतार के बेटे के रूप में आया।कल्पना कीजिए, हमें अपने आप को कैसे विनम्र करना चाहिए। हमारा प्रभु, इतना महान और शक्तिशाली है, राजाओं का राजा और प्रभुओं का प्रभु, फिर भी वह इस दुनिया में आने के लिए सबसे विनम्र तरीका चुना है। हममें से कुछ लोग अपने आप को बहुत बड़ा समझते है, हमें लगता है कि हम एक–जेड हैं हम सब जानते हैं। हमें अपनी उपलब्धियों पर गर्व होता है और लगता है कि हम सब हमारे अपने कर्म की वजह से हासिल किया है।लेकिन, हम हमेशा प्रभु के आगे विनम्र होना चाहिए याद रखे प्रभु के बिना हमारा कोई मूल्य नहीं है। हम एक बड़े '0' है, जब प्रभु हमारे जीवन में आते है हम बनते है '१०' और हमें महत्व दिया जाता है।

हम २ राजा में एक कहानी अध्याय ६ में जानते है, नबी एलीशा के बारे में। अन्य नबियों के बच्चे एलीशा से कहते हैं, कि जिस घर में हम रहते है छोटा है, इस प्रकार हम एक नया घर बनाने के लिए कुछ लकड़ी में कटौती करने जा रहे हैं।एलीशा उन्हें जाने के लिए अनुमति देता है, लेकिन पुरे भीड़ में एक बुद्धिमान व्यक्ति था, वह एलीशा से विनती करता है की उनके साथ आए। इस प्रकार, एलीशा उनके

साथ चला जाता है। इसी तरह, अगर हम अपने प्रभु परमेश्वर को हमारे साथ होने के लिए कहते हैं, वह कभी मना नहीं करेंगे लेकिन साथ आ जाएंगे। लेकिन; हम प्रभु को हमेशा आमंत्रित करना चाहिए। वह ऐसा परमेश्वर नहीं है जो जबरन हमारे जीवन में आए।याद रखें, काना नगर की शादी को, मरियम और उसके पुत्र यीशु शादी में आमंत्रित किए गए थे इस प्रकार वे चले गए। हाँ, हमारे जीवन के किसी भी स्थिति में, जब हम प्रभु को सच्चाई से आमंत्रित करते हैं, वह निश्चित रूप से हमारे जीवन में आते हैं और हमारे साथ रहते हैं। अब, जब बच्चे लकड़ी के लिए पेड़ काटना शुरू कर दिया, कुल्हाड़ी सीधे नदी में गिर पड़ी।क्या आपको लगता है कि कुल्हाड़ी का सिर अचानक पानी में गिर गई, नहीं, इसके कई लक्षण दिखाई दिए, यह ढीला हो गया होगा और उसे कसकर गांठ बांधना होगा और सही तरह स्थिर करना होगा। लेकिन लोगों ने उस चेतावनी को ध्यान नहीं दिया और कुल्हाड़ी से लकड़ी काटना जारी रखा। इस प्रकार कुल्हाड़ी का सिर नदी में गिर जाता है। इसी तरह, हमारा जीवन भी कई लक्षण दिखाता है जब हम प्रभु से दूर जाते है।हमारे प्रभु प्यार से हमें सही और हमारी गलतियों को बताते है। लेकिन हमें ध्यान देना चाहिए। उदाहरण के लिए, जबकि एक कार चलाने के लिए , कार चेतावनी देता है कि पेट्रोल टैंक में खत्म हो गया है और फ्यूल समाप्त हो रहा है। हमें इसका ध्यान करना चाहिए और टैंक को फ्यूल से भरना चाहिए वरना कार अचानक बंद हो जाएगा।इसी तरह, जब कुल्हाड़ी का सिर नदी में गिर जाता है, वे चिल्लाना शुरू कर देते है और एलीशा को बताते है कि कुल्हाड़ी एक उधार लिया था और हमें मालिक को ही लौटना जरुरी है। याद है, जब हम प्रभु के लोगों के साथ एकता में रहना नहीं चाहते हैं, हमें भी हमारे जीवन में इसी तरह की परिस्थितियों का सामना करना पड़ेगा। प्रभु के लोगों को बचाने के लिएसिमसोन प्रभु के द्वारा चुना गया था, लेकिन सिमसोन ने क्या किया?वह प्रभु के काम को छोड़ दिया और एक वेश्या के साथ परीक्षा में पड गया। अंत में, वह हार गया था और वे उसे जंजीर में जकड लिया और उसे अंधा कर दिया और एक जोकर की तरह परेड करवाया। वे उसे पुरुषों के बीच हंसी का पात्र बना दिया। इसी तरह, हम दाऊद के जीवन को देखते हैं, परमेश्वर ने लड़ने के लिए और अपने लोगों के लिए और उन्हें छुड़ाने के लिए उसे चुना है।इसके बजाय की वह युद्ध के लिए जाए, वह एक महिला की ओर आकर्षित हो गया और इस तरह उसका पतन आया। यह सच है, कई लोग हैं, जो प्रभु से दूर चले गए हैं, उनके जीवन में अपमान, दुख और दर्द का सामना करना पड़ा। अन्य नबियों के बच्चों की तरह, जो एक अलग निवास करना चाहते थे, जो लकड़ी काटने के लिए गया था और इस तरह कुल्हाड़ी का सिर नदी में गिर पड़ा।नबी एलीशा उनके लिए एक चमत्कार करते है, वह पेड़ की टहनी के एक टुकड़े को काटा और उस ही जगह डाला, जहां कुल्हाड़ी का सिर गिर गया था, तुरंत कुल्हाड़ी का सिर पानी से बाहर तैराकी करते हुए पानी के ऊपर आ गया। इसी तरह, हमारे प्रभु यीशु मसीह, पेड़ की टहनी है कि हमारे लिए कट गया। जब यीशु क्रूस पर पीड़ा उठा रहा था, एक पल के लिए स्वर्ग में उसके पिता ने उसे त्याग दिया।यीशु मसीह क्रूस पेरो रहे थे ''स्वर्गीय पिता आपने मुझे क्यों त्याग दिया है''। क्यों स्वर्ग में हमारे पिता ने यीशु मसीह को क्रूस पर त्याग दिया था। तुम्हारे और मेरे लिए, हमारे लिए जो भी पापों में डूब रहे हैं, उनके लिए जो अकेलेपन और उदास में हैं। यीशु मसीह हमारे लिए पेड़ की टहनी है जो हमारे लिए काटी गई है, हम पढ़ते यशायाह 11 : 1 ''तब यिशै के ठूंठ में से एक डाली फूट निकलेगी और उसकी जड़ में से एक शाखा निकल कर फलवन्त होगी।'' नदी में लकड़ी का टुकड़ा डालके, लोहे के कुल्हाड़ी का सिर तैराकी करके आ गया। इस प्रकार, जब हम प्रभु के साथ हैं, तथापि हमारे पाप कितना ही गहरा और बीमारी में क्यों न हो, हम झटपट तैराकी करके और तट पर तैर सकते हैं। यीशु जीवित सत्य है, यह हमारा विश्वास होना चाहिए, वह आदिऔर अंत है, वह हमारे जीवन में अल्फा और ओमेगा है। इसके बिना हमारा विश्वास मजबूत नहीं हो सकता है।प्रेरित पौलुस कहते हैं इब्रानियों 12 : 1 ''इस कारण जब कि गवाहों का ऐसा बड़ा

बादल हम को घेरे हुए है, तो आओ, हर एक रोकने वाली वस्तु, और उलझाने वाले पाप को दूर कर के, वह दौड़ जिस में हमें दौड़ना है, धीरज से दौड़ें।''हमारे लिए शुरुआत और अंत हमारा विश्वास का प्रभु है, हमने अपने जीवन में कई साक्षियों को देखा है, वह सत्य और मार्ग है।उत्पत्ति 1 : 1 ''आदि में परमेश्वर ने आकाश और पृथ्वी की सृष्टि की।'' प्रभु ने स्वर्ग और पृथ्वी को बनाया, इसे पहले इस दुनिया में कुछ भी नहीं था। वह आदि और अंत है। हमारे जीवन में, वह हमारे लिए सब कुछ है। वह हम सभी पर देखता है जो भी हम उसके लिए करते है। हमारे जीवन की हर लड़ाई उसकी है।व्यवस्थाविवरण 20 : 1,3 ''जब तू अपने शत्रुओं से युद्ध करने को जाए, और घोड़े, रथ, और अपने से अधिक सेना को देखे, तब उन से न डरना, तेरा परमेश्वर यहोवा जो तुझ को मिस्र देश से निकाल ले आया है वह तेरे संग है। हे इस्राएलियों सुनो, आज तुम अपने शत्रुओं से युद्ध करने को निकट आए हो, तुम्हारा मन कच्चा न हो, तुम मत डरो, और न थरथराओ, और न उनके सामने भय खाओ।'' प्रभु के लोगों को अपने जीवन में विभिन्न लड़ाइयां लड़नी पड़ती है, शत्रु के साथ, दुश्मनों के साथ, आदि। प्रभु कहते हैं कि ''अगर आप घोड़ों और रथों को देखो तो घबराओं नहीं। याद रखों मैं तुम्हारे साथ हूं, जो तुम को मिस्र से बाहर लाया''। इस वचन को हमारे दिल और दिमाग में पक्का हो जाएऐसा करना चाहिए , तो हम कभी नहीं हिलेंगे। हम कमजोर हो जाते हैं जब हम प्रभु को भूल जाते हैं कि वह हमें मिस्र से छुड़ाके लाया है।प्रभु ने हमें कभी आश्वासन नहीं दिया था कि विपत्ति हम पर हमला नहीं करेगा या हमारे दुश्मन हमारे खिलाफ युद्ध छेड़ने के लिए नहीं होंगे, लेकिन हमारे प्रभु ने हमें आश्वासन दिया है कि ''उन्होंने अगर मेरे साथ किया है, तो वे आपके साथ भी ऐसा ही करेंगे। लेकिन, आनंद मनाओ, मैंने संसार के ऊपर जय पाया है'' ।हम सभी को चुनौतियों का सामना करने के लिए तैयार रहना चाहिए जो भी शत्रु द्वारा फेंका जाए। वे अनेक हो सकते है, हम लोगों की संख्या को डरना नहीं चाहिए, लेकिन हमें विश्वास करना चाहिए कि प्रभु हमारे साथ है।''हे इस्राएलियों सुनो, आज तुम अपने शत्रुओं से युद्ध करने को निकट आए हो, तुम्हारा मन कच्चा न हो, तुम मत डरो, और न थरथराओ, और न उनके सामने भय खाओ।'' हमें प्रभु के बच्चों के लिए, वे कहते हैं, ''हे इजराइल मुझे सुनो, आप लड़ाई लड़ने के लिए जाते है, एकता में हो जाओ और अपने आप को भ्रमित और कपकपना नहीं , मैं आप को जीत दिलाऊंगा''। हम सदोम और अमोरा के लोगों की तरह नहीं होना चाहिए, जो जीवन का आनंद लेने में, खाने, पीने में और मगन रहते थे।वे प्रभु को भूल गए। हम हमेशा जीवन में सतर्क रहना चाहिए और हमारे विश्वास और भरोसे को ईश्वर के ऊपर डाल देना चाहिए जो हमें मिस्र से बाहर ले आया है। उदाहरण के लिए – हम जब एक नया दोस्त बनाते है, हम तुरंत अपने फोन पर उसका–उसकी नंबर डाल देते है और इसे अद्यतन करते है। इसी तरह, हमे भी परमेश्वर के वचन के साथ हमारे दिल और दिमाग को अद्यतन करना चाहिए, ऐसा न हो कि हम भूल जाएँ। लेकिन जब नेटवर्क नहीं होता है, सभी जानकारी भी नहीं होती है।इस के विपरीत, प्रभु का नेटवर्क कभी हमारे जीवन में नीचे नहीं होगा, हम हमेशा हमारे दिल में उनके वचन को संभाल के रखना चाहिए।भजन संहिता 48 : 14 ''क्योंकि वह परमेश्वर सदा सर्वदा हमारा परमेश्वर है, वह मृत्यु तक हमारी अगुवाई करेगा।''हमारे प्रभु हमेशा मार्गदर्शन करेंगे और मृत्यु समय तक हमारे साथ हमेशा हमेशा रहेंगे। हमारे प्रभु का नेटवर्क कभी भी नीचे नहीं होगा। हम हमेशा प्रभु को हमारे जीवन में पहला स्थान देना चाहिए।यूहन्ना 1 : 1''आदि में वचन था, और वचन परमेश्वर के साथ था, और वचन परमेश्वर था।'' शुरवात से वचन था, वचन यीशु मसीह है। वह परमेश्वर के साथ था और वचन परमेश्वर के साथ था, वचन परमेश्वर था।जब एक लड़ाई के लिए जाते हैं,प्रभु कहते हैं व्यवस्थाविवरण 20 : 4,6–7,10–15 ''क्योंकि तुम्हारा परमेश्वर यहोवा तुम्हारे शत्रुओं से युद्ध करने और तुम्हें बचाने के लिए तुम्हारे संग चलता है। प्रभु आपके साथ है जैसे आप अपने दुश्मनों के खिलाफ लड़ने के लिए जाते है, आप को बचाने के लिए प्रभु तुम्हारे साथ है। अब हम देखते है कैसे हमारे

प्रभु हमारे लिए योजना बनाते है। प्रभु क्यों कहता है, ''युद्ध के लिए इस विशेष व्यक्ति को नहीं ले जाना हैं''।''और कौन है जिसने दाख की बारी लगाई हो, परन्तु उसके फल न खाए हों? वह भी अपने घर को लौट जाए, ऐसा न हो कि वह संग्राम में मारा जाए, और दूसरा मनुष्य उसके फल खाए। फिर कौन है जिसने किसी स्त्री से ब्याह की बात लगाई हो, परन्तु उसको ब्याह न लाया हो? वह भी अपने घर को लौट जाए, ऐसा न हो कि वह युद्ध में मारा जाए, और दूसरा मनुष्य उस से ब्याह कर ले।''जो लोग दाख की बारी लगाते है और उसे अभी तक नहीं खाया है। इसके अलावा, ऐसा व्यक्ति न लो जिसकी सगाई हुई हो और जिसकी अभी तक शादी नहीं हुई हो। हमारा प्रभु जानता है, इससे युद्ध में बाधा आ सकता है। याद करें लूत की पत्नी को, जिसने मुड़कर पीछे देखा की उसने क्या छोड़ दिया है, नमक का एक खम्बा बन गई। तो, कल्पना करे अगर दिल में अभी भी दर्द हो रहा है,अभी भी कुछ पीछे छोड़ दिया है, एक लड़ाई को खो सकते हैं, इस प्रकार प्रभु की सलाह ऐसे लोगों को साथ न ले जाने के लिए कहा है।यह भी याद करो की यहोशू ने लोगों को चेतावनी दी थी जब वे जेरिको में लड़ाई करने के लिए जाए तो यरीहो से किसी भी चीज को न ले, क्योंकि वह शापित था। लेकिन हम वहाँ देखते हैं, की एक व्यक्ति के अवज्ञा के कारण, वे लड़ाई हार गए।जब यहोशू ने परमेश्वर से पूछा कि ''आप ने हमें भेजा और आप ने हमें जीत का वादा किया था, फिर प्रभु क्यों हम लड़ाई हार गए'' उस समय, प्रभु ने सच्चाई को प्रकाशित किया। इसी तरह, वचन ६–७ में यहां प्रभु क्यों लड़ाई करने के लिए इस तरह के लोगों को लेने के लिए नहीं बताते हैं।वे दो मन में हो जाएंगे, कोई एकात्मकता और एकता न होगी।''जब तू किसी नगर से युद्ध करने को उनके निकट जाए, तब पहिले उस से सन्धि करने का समाचार दे। और यदि वह सन्धि करना अंगीकार करे और तेरे लिये अपने फाटक खोल दे, तब जितने उस में होंवे सब तेरे आधीन हो कर तेरे लिये बेगार करने वाले ठहरें। परन्तु यदि वे तुझ से सन्धि न करें, परन्तु तुझ से लड़ना चाहें, तो तू उस नगर को घेर लेना, और जब तेरा परमेश्वर यहोवा उसे तेरे हाथ में सौंप दे तब उस में के सब पुरूषों को तलवार से मार डालना। परन्तु स्त्रियां और बालबच्चे, और पशु आदि जितनी लूट उस नगर में हो उसे अपने लिये रख लेना, और तेरे शत्रुओं की लूट जो तेरा परमेश्वर यहोवा तुझे दे उसे काम में लाना। इस प्रकार उन नगरों से करना जो तुझ से बहुत दूर हैं, और इन जातियों के नगर नहीं हैं।''प्रभु ने पहले शांति बनाने को कहा फिर बाद में सभी लोगों को मारना, और उसके बाद उनकी पत्नियों और बच्चों का ख्याल रखना। इन आज्ञाओं को प्रभु ने इस्राएलियों को उस समय के दौरान दिया था। प्रभु ने अपने भविष्यद्वक्ताओं और उसके सेवकों से बात की, लेकिन अपने आप को मनुष्यों के आमने सामने प्रकट नहीं किया था।कोई भी प्रभु का चेहरा देखकर जीवित नहीं रह सकता। केवल थोड़े समय के लिए प्रभु उनके चुने हुए लोगों के माध्यम से बात करते थेफिर तुरंत गायब हो जाते थे। लेकिन अब, प्रभु ने सब कुछ बदल दिया है, वह हमारे लिए एक दोस्त के रूप में आया था ताकि हम अंधे नहीं रहे और हम उस पर विश्वास करे।जिस किसी ने भी उसे देखा उस पर विश्वास किया और स्वीकार किया, वे चंगे और वितरित किए गए। हमारे प्रभु ने क्रूस पर हमारे लिए अपना जीवन दे दिया और इस प्रकार हमें जीत दे दी है। हम दूसरों से इस सच्चाई को कभी नहीं छिपाना चाहिए, बल्कि हम लोगों को इस सत्य का प्रचार करना चाहिए। हमारे प्रभु अल्फा और ओमेगा है, यह सच्चाई है वह एक ही मार्ग है, हमारे जीवन में कोई अन्य मार्ग नहीं है।भजन संहिता 102 : 25 ''आदि में तू ने पृथ्वी की नेव डाली, और आकाश तेरे हाथों का बनाया हुआ है।''प्रभु ने इस धरती की नींव रखी है, स्वर्ग से पृथ्वी पर सभी उनके हाथ से रचाया हुआ कार्य हैं। नीतिवचन अध्याय ८ में, वहाँ एक भविष्यवाणी किया हुआ वचन है हमारे प्रभु यीशु मसीह के बारे में जो खुद से कहते है, नीतिवचन 8 : 23–24 ''मैं सदा से वरन आदि ही से पृथ्वी की सृष्टि के पहिले ही से ठहराई गई हूं। जब न तो गहिरा सागर था, और न जल के सोते थे तब ही से मैं उत्पन्न हुई।''प्रभु यीशु कहते हैं, मैं सदा से स्थापित किया गया था, आदि से अंत तक, यहाँ तक कि जब से पृथ्वी

पानी से भरा था। नीतिवचन 8 : 30–31 ''तब मैं कारीगर सी उसके पास थी; और प्रति दिन मैं उसकी प्रसन्नता थी, और हर समय उसके साम्हने आनन्दित रहती थी। मैं उसकी बसाई हुई पृथ्वी से प्रसन्न थी और मेरा सुख मनुष्यों की संगति से होता था।''हमारे प्रभु यीशु मसीह, हमारे स्वर्गीय पिता के साथ थे, वह प्यार से अपने पिता के साथ आनन्द में रहते थे। यह सब आनन्द उन्होंने त्याग दिया, हमारे लिए और इस दुनिया में आए। इस प्रकार, हमें इस दुनिया में प्रभु के लिए काम करते रहना हैं और उनके कार्य को इस दुनिया में करते रहना है। इस प्रकार, हिम्मत से हम कह सकते हैं जैसे की दाऊद कहता है भजन संहिता 23 : 1 ''यहोवा मेरा चरवाहा है, मुझे कुछ घटी न होगी।''हम किससे डरे, और हम क्यों डरे ?भजन संहिता 23 : 5–6 ''तू मेरे सताने वालों के साम्हने मेरे लिये मेज बिछाता है; तू ने मेरे सिर पर तेल मला है, मेरा कटोरा उमण्ड रहा है। निश्चय भलाई और करूणा जीवन भर मेरे साथ साथ बनी रहेंगी, और मैं यहोवा के धाम में सर्वदा वास करूंगा।''जब हम इस सच्चाई को जानेगे, हमें किसी के बारे में चिंता नहीं होगी। हम साहसपूर्वक और दृढ़ता से कह सकते हैं ''निश्चित रूप से अच्छाई और दया हमारे जीवन के सभी दिनों में हमारा पीछा करेगी'' ।जो लोग इस दुनिया में सभी दुखों पर विजय प्राप्त की है, यूहन्ना पटमोस के जेल से लिखते हैं, प्रकाशितवाक्य 14 : 4–7 ''ये वे हैं, जो स्त्रियों के साथ अशुद्ध नहीं हुए, पर कुंवारे हैं: ये वे ही हैं, कि जहां कहीं मेम्ना जाता है, वे उसके पीछे हो लेते हैं, ये तो परमेश्वर के निमित्त पहिले फल होने के लिये मनुष्यों में से मोल लिए गए हैं। और उन के मुंह से कभी झूठ न निकला था, वे निर्दोष हैं। फिर मैं ने एक और स्वर्गदूत को आकाश के बीच में उड़ते हुए देखा जिस के पास पृथ्वी पर के रहने वालों की हर एक जाति, और कुल, और भाषा, और लोगों को सुनाने के लिये सनातन सुसमाचार था। और उस ने बड़े शब्द से कहा, परमेश्वर से डरो, और उस की महिमा करो; क्योंकि उसके न्याय करने का समय आ पहुंचा है, और उसका भजन करो, जिस ने स्वर्ग और पृथ्वी और समुद्र और जल के सोते बनाए।''परमेश्वर जो इन सब चीजों को बनाया है, हमें प्रभु की महिमा और सच्चाई से आराधना करनी चाहिए। अंत समय के दौरान, कितना ही ज्यादा हम पाप में क्यों ना डूब रहे हो, कितना ही ज्यादा हमारे दुख और दर्द क्यों न हो, हमारे प्रभु के साथ हम निश्चित रूप से इस दुनिया में हर लड़ाई जीत जाएंगे। प्रभु और उनके लोग कहां हैं, हमें वचन मिल जाएगा, हमें सत्य मिल जाएगा।याद रखें, प्रभु जिंदा है और हमारे बीच जीवित है और हमारे भीतर है, वह आदि और अंत है, वह अल्फा और ओमेगा है। उसने सब कुछ बनाया है और उसके बिना कुछ भी नहीं है। वह हमारे पापों को, हमारी कमजोरी को, हमारे अधम को जानता है। वह हम सभी को दुनिया के इस तरह के पापों से बचाने के लिए आया है।हमारे प्रभु यीशु ने स्वर्गीय राज्य को, और उनके पिता परमेश्वर की गोद छोड़ दिया था, जिनके साथ वह स्वर्ग में आनन्द मनाया करता था। क्रूस पर, वह तुम्हारे और मेरे लिए उनका अनमोल जीवन बलिदान कर दिया और शत्रु पर उनकी विजय हासिल की। हालांकि कितना ही ज्यादा हम आज गिरे हो, प्रभु हमें ऊपर उठाने के लिए तैयार है। जैसे नबी के बच्चों की तरह, कुल्हाड़ी का सिर जो की हिलने पर था ध्यान नहीं दिया और फिर नबी एलीशा के पास मदद के लिए भाग गए।आज, यीशु मसीह पेड़ की शाखा है, जो हमारे लिए भेजा गया था। अगर हम डूब रहे हैं, हमें हमारे पापों से बाहर तैर के आने में वह मदद कर सकता है। वह हमारे ताकतवर प्रभु है और वह हम पर दया और कृपा करेगा।

प्रभु उनके वचन के माध्यम से हम में से हर एक को आशीर्वाद दे!

पास्टर सरोज म.